सोमवार
28 अगस्त 2023

पृष्ठ 4

भूलकर भी ना करें आती हुई छींक को रोकने की गलती

पृष्ठ 5

दिशा पटानी बनीं क्यूं करु फिकर की डायरेक्टर

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 201
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

बिना ग्रंथ के ईश्वर मौन है, न्याय निद्रित है, विज्ञान स्तब्ध है और सभी वस्तुएँ पूर्ण अंधकार में हैं।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भोले नाथ के जयकारों के साथ निकली शिव बारात

संवाददाता

देहरादून। भोलनाथ के जयकारों के साथ शहर के मुख्य मार्गो से शिव बारात निकाली गयी। जिसमें युवक झूम के नाचे तथा इस बार की शिव बारात में चन्द्रयान-3 की झांकी आर्कषण का केन्द्र रही। जगह-जगह शिव बारात का स्वागत कर प्रसाद बांटा गया।

आज यहां सुबह करीब साढे ग्यारह बजे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, मेयर सुनिल उनियाल गामा शिवाजी धर्मशाला पहुंचे जहां से टपकेश्वर महादेव मन्दिर के महंत कृष्ण गिरी के साथ पूजा अर्चना का शिव बारात का शुभारम्भ किया। शिवाजी धर्मशाला में गाजे बाजों के साथ शिव बारात निकली। यहां पर हैलीकाप्टर से फूल वर्षा कर बरात का स्वागत किया गया। शिव बारात में कई झांकियो के साथ ही भूत पिशाच बने युवक भी नाचते हुए चल रहे थे। शिव बारात शिवाजी धर्मशाला से सहारनपुर चौक, झण्डा बाजार, भण्डारी चौक पहुंची जहां पर शिव बारात का जोरदार स्वागत किया गया तथा प्रसाद बांटा गया। जिसके बाद शिव बारात पिपलमंडी, राजा रोड

से होते हुए शहर कोतवाली के पास पहुंची जहां पर गणपति युवा सेवा समिति

❑हेलीकाप्टर से फूल वर्षा कर किया बारात का स्वागत ❑चन्द्रयान-3 की झांकी रही आर्कषण का केन्द्र

मोती बाजार के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शिव बारात का स्वागत किया गया तथा राजमा चावल का प्रसाद बांटा तथा शिव बारात का फूलों के साथ स्वागत किया गया। कोतवाली से होते हुए शिव बारात पल्टन बाजार से होते हुए घंटाघर चौक पर पहुंची यहां पर भी बारात का फूलों के साथ स्वागत किया गया तथा प्रसाद बांटा गया। शिव बारात में मुख्य आर्कषण का केन्द्र चन्द्रयान-3 की झांकी बनी रही तथा लोक उसको देखकर मंत्रमुग्ध हुए। शिव बारात घंटाघर चौक से चकराता रोड से होते हुए चुक्खुवाला मोड पर पहुंची जहां पर शिव बारात का स्वागत कर प्रसाद बांटा गया। शिव बारात में भूत पिशाच के रूप धारण किये युवक मस्ती में नाचते हुए दिखायी दिये। चकराता रोड से बारात बिन्दाल चौक से गढी कैण्ट होते हुए टपकेश्वर महादेव मन्दिर पहुंची जहां पर उसका स्वागत किया गया तथा यहीं पर बारात का समापन हुआ।

कैंटोनमेंट बोर्ड व्यवस्था को समाप्त किया जाएगाः भट्ट

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। केंद्र सरकार देश के सभी कैंटोनमेंट बोर्डों (छावनी परिषदों)को समाप्त करने जा रही है। कैंटोनमेंट बोर्डो की परिसंपत्तियों को भी स्थानीय निकायों को सौंपने की तैयारी की जा रही है इस आशय की जानकारी केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट द्वारा देते हुए कहा गया है कि इसके बारे में सभी राज्यों से रिपोर्ट मांगी गई है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि देशभर में 100 से अधिक छावनी परिषद है। जिन शहरों में यह कैंटोनमेंट बोर्ड है वहां आए दिन नगर निगम और नगर पालिकाओं के साथ अपने-अपने अधिकारों को लेकर टकराव और तकरार की स्थितियां बनी रही है। अधिकांश कैंटोनमेंट बोर्ड में सैन्य अधिकारी छावनी क्षेत्रों में अपनी तानाशाही के कारण आम जनता के साथ भिड़ंत के लिए तैयार हो जाते हैं। आम रास्तों पर आम आदमी की आवाजाही को लेकर भी आपत्तियों की जाती है तथा बोर्ड के अधिकार वाले क्षेत्रों में किसी भी तरह की सामान्य गतिविधियां उन्हें नागवार

❑छावनी परिषदों की संपत्तियों को भी निकायों के अधिकार में दिया जाएगा

गुजरती है जिसके कारण आम आदमी को कई तरह की समस्या और परेशानियां उठानी पड़ती है। जिनकी शिकायतें रक्षा मंत्रालय तक भी पहुंचती रही हैं।

अजय भट्ट का कहना है कि इस विषय में रक्षा मंत्रालय से भी केंद्र सरकार ने सुझाव मांगा है तथा राज्य सरकारों से भी सुझाव मांगे गए हैं। केंद्र सरकार इन सुझावों का इंतजार कर रही है जिसके आधार पर कैंटोनमेंट बोर्डो को समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। केंद्र सरकार देश के लगभग 100 के करीब इन छावनी परिषदों को समाप्त करना चाहती है तथा इन परिषदों की परिसंपत्तियों

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

वर्ल्ड एथलेटिक चौंपियनशिप के भाला फेंक इवेंट में नीरज चोपड़ा ने जीता गोल्ड

नई दिल्ली/बुडापेस्ट । हंगरी के बुडापेस्ट में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2023 के भाला फेंक इवेंट में नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वे पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। नीरज चोपड़ा ने अपने रविवार को अपने क्वालिफाइंग राउंड के दूसरे प्रयास में 88.17 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं

पाकिस्तानी खिलाड़ी नदीम अरशद दूसरे नंबर पर रहे और उन्हें सिल्वर मेडल जीतकर ही संतोष करना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें ट्वीट कर बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ष्प्रतिभाशाली नीरज चोपड़ा ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिखाया है। उनका समर्पण, सटीकता और जुनून उन्हें न सिर्फ एथलेटिक्स में चौंपियन बनाता है बल्कि पूरे खेल जगह में उन्हें उत्कृष्टता का प्रतीक बनाता है। वर्ल्ड एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर आपको बधाई।

पीएम मोदी ने 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र किए वितरित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 अगस्त, 2023 को आयोजित रोजगार मेले के 8वें संस्करण में 51,000 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्रों को वितरित किया है। नव नियुक्त सरकारी विभागों और संगठनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पत्र वितरित किए गए हैं। रोजगार मेला देश के 45 स्थानों पर आयोजित किया गया।

अपने वर्चुअल संबोधन में पीएम मोदी ने बताया कि अर्धसैनिक बलों की भर्ती प्रक्रिया में कई बदलाव किए गए हैं। रोजगार मेले में पीएम मोदी ने युवाओं को संबोधित किया और अर्धसैनिक बलों को अपनी सेवा के दौरान भी सीखने की इच्छा जारी रखने का सुझाव दिया। पीएम मोदी ने कहा कि इन पाठ्यक्रमों के

दौरान आप जो कुछ भी सीखेंगे वह आपको एक उत्कृष्ट अधिकारी बनने में मदद करेगा। उन्होंने नए रंगरूटों से अपनी शारीरिक फिटनेस पर ध्यान देने और अपनी सेवा के दौरान अपने स्वास्थ्य और फिटनेस को बनाए रखने के लिए भी कहा। पीएम ने नई नियुक्तियों को श्अमृत रक्षकश करार दिया और उनसे अपनी क्षमताओं को बढ़ाते रहने का आग्रह किया। मैं उन सभी को बधाई देता हूं जिन्हें आज नियुक्ति पत्र मिला है। मैं उन्हें अमृत रक्षक कहता हूं क्योंकि जिन्हें आज नियुक्ति पत्र मिल रहा है वे अगले 25 वर्षों तक देश की सेवा करेंगे और देशवासियों की भी रक्षा करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि फार्मा और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्र तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि फार्मा क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और यह आने वाले दिनों में रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेगा। ऑटोमोबाइल उद्योग भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है। ये दोनों उद्योग (फार्मा और ऑटोमोबाइल उद्योग) आने वाले दिनों में और विकसित होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पर्यटन क्षेत्र द्वारा 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देने की संभावना है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सांप्रदायिकता का जहर

बात चाहे उस मणिपुर की हो जो तीन माह से भी अधिक समय से सांप्रदायिक हिंसा की आग में धू धू कर जल रहा है या फिर हरियाणा की उस नूंह की सांप्रदायिक हिंसा की जहां ब्रज मंडल शोभायात्रा पर हुई एक सुनियोजित हमले के दौरान व्यापक स्तर पर हिंसा और आगजनी हुई और अब विहिप द्वारा फिर शोभायात्रा निकालने के ऐलान के बाद यहां न सिर्फ भारी तनाव की स्थिति बनी हुई है या फिर यूपी के एक मिशनरी स्कूल की जहां छात्रों द्वारा ब्लैक बोर्ड पर जय श्री राम का नारा लिखे जाने पर स्कूल प्रबंधकों की आपत्ति के बाद एबीवीपी छात्र नेताओं द्वारा स्कूल में धरना-प्रदर्शन और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। यह घटनाएं तो मात्र एक उदाहरण है ऐसी तमाम घटनाएं बीते कुछ समय से देश के कोने-कोने से आ रही हैं। अभी बीते कल ही की बात है जब मणिपुर में कुछ हिंसक व आगजनी की घटनाओं के बाद गस्ती सुरक्षा बलों पर एक समुदाय द्वारा हमला कर सुरक्षा बलों के हथियार लूट लिए गए। सवाल यह है कि जिस मणिपुर हिंसा को लेकर संसद में अविश्वास प्रस्ताव तक लाया गया और गृहमंत्री व प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर के हालात सामान्य है क्या वह मणिपुर अब शांत है और वहां सब कुछ ठीक है। अगर नहीं है तो सरकार में बैठे लोग क्यों झूठ बोल रहे हैं और वहां शांति बहाली के कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाये जा रहे हैं? अथवा मणिपुर के हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि वहां की सरकार व केंद्र सरकार हालात पर काबू पाने में असफल हो चुकी है। या फिर जानबूझकर इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। नुहू में भी प्रशासन की अनुमति न दिए जाने के बाद भी विहिप अगर शोभायात्रा निकालने पर अड़ा हुआ है तो प्रशासन उसे क्यों नहीं रोक पा रहा है यहां एक बार फिर इंटरनेट सेवाएं बंद कर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती तथा स्कूल कॉलेज और बाजारों को बंद करने की जरूरत क्यों पड़ी। हमें याद है कि एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद गौ रक्षा के नाम पर कुछ अराजक तत्वों द्वारा गुंडागर्दी करने की बात पर कड़ी आपत्ति जताई गई थी। नूहू की घटना की पृष्ठभूमि में तथाकथित गोरक्षक द्वारा एक समुदाय विशेष के दो लोगों को जिंदा जला देने की घटना ही है। अभी जिस स्कूल में जय श्री राम का नारा लिखे जाने की बात सामने आई है वह साफ तौर पर यही बताती है कि अब शिक्षण संस्थानों को भी धार्मिक और सांप्रदायिक राजनीति का अखाड़ा बनाने का प्रयास कुछ विशेष संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे हैं। खुले में नमाज पढ़ने की बात हो या फिर उसके जवाब में हिंदु संगठनों के द्वारा हनुमान चालीसा पढ़ने की, स्कूल कॉलेज में बुर्का पहन कर आने की हो या फिर ब्लैक बोर्ड पर जय श्री राम का नारा लिखे जाने की। इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि में सिर्फ और सिर्फ वह धार्मिक और सांप्रदायिक उन्माद की राजनीति ही है जिसका इस्तेमाल देश के राजनीतिक दल और नेता करते आ रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पूर्व देश में फिर एक ऐसा वातावरण तैयार किया जा रहा है जो सांप्रदायिक आधार पर वोटो का ध्रुवीकरण सुनिश्चित कर सके। कुछ दलों और नेताओं को चुनाव जीतने का यही सबसे मुफीद और आसान तरीका दिखाई देता है। समाज में इस सांप्रदायिक जहर का क्या असर हो रहा है और इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे भले ही इसे लेकर देश का सर्वोच्च न्यायालय तक अपनी चिंता जता चुका हो लेकिन देश के नेताओं और राजनीतिक दलों को इसकी कतई भी चिंता नहीं है। उन्हें सिर्फ अपनी और सत्ता में बने रहने से ही सरोकार है।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में किया गया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी के द्वारा राजकीय बालिका इंटर कालेज में वृक्षारोपण किया।

आज यहां क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा देहरादून के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कौलागढ़ में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 30 से अधिक फलदार, छायादार तथा विभिन्न प्रकार के फूलो के वृक्षों का रोपण किया गया। लगाए गए वृक्षों मे आम, कागजी नींबू, तेजपात, अशोका, सिल्वर ओक, केसिया सामिया, कटहल, आंवला, बांस, नाशपाती, गुड़हल, आड़ू के वृक्ष शामिल किए गए। वर्ष 2023 में क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा किया गया यह आठवां वृक्षारोपण अभियान है। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कौलागढ़ की प्रध ानाध्यापक द्वारा समिति से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में वृक्षारोपण किये जाने हेतु निवेदन किया गया, जिसे स्वीकार

करते हुए समिति ने विद्यालय में वृक्षारोपण किया। समिति द्वारा विद्यालय के अध्यापकों को लगाए गए वृक्षों की देखभाल करने और उन्हें बचाने का प्रण दिलाया गया। इस वर्ष समिति द्वारा 2000 से अधिक वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अभी तक समिति द्वारा इस वृक्षारोपण सत्र में लगभग 700 से अधि क वृक्ष लगाए जा चुके हैं। क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा पर्यावरण को बचाने का जो बीड़ा उठाया गया है उस उद्देश्य पर हमारी समिति खरी उतरकर लगातार वृक्षारोपण कर रही है। और पूरे देहरादून शहर को हरा भरा बनाने की प्रतिज्ञा पर कायम है।

इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रंदीप अहलूवालिया, कोषाध्यक्ष शम्भू शुक्ला, सचिव जेपी किमोठी, संयोजक नितिन कुमार, दीपक वासुदेवा, मंजुला रावत, सोनिया, राकेश दुबे, प्रदीप रावत, कुलजिंदर सिंह, विश्वास दत्त, सुरजीत तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कौलगढ़ का स्टाफ उपस्थित रहा।

आर्मी अधिकारी बन ठगे 50 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। मकान किराये पर लेने के बहाने स्वंय को आर्मी अधिकारी बता 50 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार निवासी शालिनी ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उन्होंने अपना मकान किराये पर देने के लिए सोशल मीडिया में लिखा था। एक व्यक्ति का फोन उसकी मां के पास आया और उसने अपने आपको आर्मी का अधिकारी बताकर उनसे मकान किराये पर लेने की बात कहीं तथा उनके व्हटसएप नम्बर पर अपना आई कार्ड व फोटो शेयर की। जिसके बाद उनको जब यकीन हो गया तो उसने उनसे एकाउंट नम्बर मांगा जिसपर वह किराये के पैसे भेजने के लिए कहा गया। जिसके बाद उसकी मां व बहन ने अपने संयुक्त खाते की जानकारी उसको भेज दी जिसके बाद उसके खाते से पचास हजार रूपये निकल गये।

उपचुनाव को लेकर विधायक विक्रम सिंह नेगी बागेश्वर रवाना

नगर संवाददाता

देहरादून। प्रताप नगर विधायक विक्रम सिंह नेगी आज बागेश्वर उप चुनाव हेतु रवाना हुए। उन्होंने कहा कि बागेश्वर उप चुनाव में कांग्रेस जीत हासिल करेगी।

इस मौके पर उन्होने कहा कि भाजपा पहाड़ के ज्वलंत मुद्दों की लगातार अनदेखी कर रही है जिससे प्रदेश की जनता का मोहभंग हो चुका है और वह भाजपा को सबक सिखाना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आई भारी आपदा में भाजपा के सांसद, मंत्री, विधायक नदारद रहे, जिससे जनता में काफी रोष व्याप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के विकास की भाजपा की कोई सोच नहीं है जिससे भाजपा शासनकाल में विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के प्रति बेहतर माहौल है आगामी चुनावों में कांग्रेस जीत हासिल करेगी। उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक वर्मा, प्रदेश सचिव टीटू त्यागी, महेश जोशी बागेश्वर रवाना हुए।

देश की बात फाउंडेशन ने किया रोजगार संसद का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। देश की बात फाउंडेशन ने राष्ट्रीय रोजगार नीति गारंटी कानून बनाने के लिए रोजगार संसद का आयोजन किया।

आज यहां देश की बात फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय रोजगार नीति गारंटी कानून बनाने के लिए उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में रोजगार संसद का आयोजन किया गया जिसमें देश की बात फाउंडेशनष के केंद्रीय कोऑर्डिनेटर आशा सिंह एवं प्रोफेसर ललित चौहान, एवं स्टेट कोऑर्डिनेटर जगदीश कोहली, मंजू शर्मा चौधरी रविंदर , सुशील सैनी डी.के.पाल, प्रशांत राय,इकबाल राव, आयशा खान, बबीता, ममता आदि शामिल थे। देश की बात फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय रोजगार नीति कानून बनाने के लिए देशभर में सभी जिलों में रोजगार संसद का आयोजन किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष में उत्तराखंड के देहरादून में क्षेत्रिय जनता की मौजूदगी में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

यज्जायथा अपूर्व्य मघवन्वृत्रहत्याय।
तत्पृथिवीमप्रथयस्तदस्तभ्ना उत द्याम्।।
(ऋग्वेद ८-८९-५)

हे जगदीश्वर ! तुम ही सर्वप्रथम हो तुमसे पहले कोई नहीं था। तुम अंधकार को नष्ट करने के लिए प्रकट हुए हो। विस्तृत पृथ्वीलोक और द्युलोक की रचना आपने अपने सृष्टि के उत्पत्ति क्रम में जीवात्माओं के कल्याण के लिए की है।

नशा मुक्ति केंद्र में भाइयों को राखी बांध नशा न करने का वचन लिया

संवाददाता

देहरादून। मनबीर कौर चेरिटेबल ट्रस्ट की बहनों ने नशा मुक्ति केन्द्र में भाईयों को रखी बांधकर नशा ना करने का वचन लिया।

आज यहां मनबीर कौर चेरिटेबल ट्रस्ट ने तपस्थली नशा मुक्ति केंद्र में उपस्थित नशा से निजात पाने वाले भाइयों को राखी बांध कर बचन लिया कि भविष्य में किसी किस्म का नशा न करने का प्रण लिया। नुकड़ नाटक मंडली द्वारा नशे के दुष्परिणामो पर आधारित नुकड़ नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें मुख्यरूप से यह समझाने का प्रयत्न किया गया कि नशे से न केवल अपना जीवन बर्बाद होता बल्कि पुरे का पूरा परिवार ही खत्म हो जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

जिला विधित प्राधिकरण सचिव हर्ष यादव ने कहा नशा एक ऐसा दीमक है जो अच्छे भले घरों को उजाड़ कर रख देता इस बुराई को जड से खत्म करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमति रमनप्रीत कौर ने सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया लिस अवसर पर डाइरेक्टर श्रेष्ठ पुंडीर, सीनियर इंचार्ज तुषार वेद, प्रेरणा रावत, विनोद रावत, पूजा शर्मा, वंदना बिष्ट, अंजू भरतरी, ममता, रचना आदि उपस्थित थे।

बिना सोचे-समझे न खरीदें कोई भी ब्यूटी प्रॉडक्ट

बिना सोचे-समझे अपनी स्किन पर कोई प्रोडक्ट लगाना आपके लिए दिक्कत पैदा कर सकता है। इन दिनों मार्केट में तमाम तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, जिनकी ब्रांडिंग इतनी अच्छी प्रकार से की जाती है कि लोग उसे मार्केट में आते ही खरीद लेते हैं। मगर क्या आपने कभी सोचा है कि आप जिसे अपने चेहरे पर लगाएंगी क्या वह उसके लिए बना भी है या नहीं।

स्किन केयर प्रोडक्ट लेने से पहले अपनी उम्र, स्किन टाइप, प्रोडक्ट में मिलाया जाने वाले इंग्रीडिएंट आदि जरूर चेक कर लेना चाहिए। अगर यह एकदम सही होंगे तो स्किन पर असर करेंगे वरना यह प्रॉब्लम्स को और ज्यादा बढ़ा देंगे या फिर बेसर होंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आपको ब्यूटी प्रॉडक्ट्स खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए-

किस उम्र में लें कौन सा प्रोडक्ट

आमतौर पर 25 वर्ष से कम आयु के लोगों की स्किन ऑयली होना शुरू हो जाती है। इन दिनों, हार्मोनल इंबैलेंस के कारण बहुत अधिक से लोग मुंहासे की समस्या से भी परेशान रहते हैं। वहीं, 30 साल के बाद स्किन ड्राय होनी शुरू हो जाती है। इसलिए, उनकी एज ग्रुप और त्वचा के प्रकार के अनुसार, हर किसी को यह जानने की जरूरत है होती है कि कौन से उत्पाद उनके लिए सबसे उपयुक्त होंगे।

पहचाने स्किन का पीएच लेवल

हमारी स्किन का पीएच 5.5 होता है। इसलिए जिन उत्पादों का पीएच उससे कम या ज्यादा है उनसे सख्ती से बचा जाना चाहिए। अधिकांश साबुन का पीएच 11 होता है। पीएच 7 और पीएच 11 के बीच साबुन क्षारीय बन जाता है। जो कि त्वचा के लिए हानिकारक है।

इंग्रीडिएंट का रखें खास ख्याल

त्वचा विशेषज्ञ के अनुसार, पूरे साल सनस्क्रीन का उपयोग करना अनिवार्य है। यहां तक कि किस सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए, इसका भी चुनाव किया जाना चाहिए। इन दिनों अब सनस्क्रीन में व्हाइटनिंग और लाइटनिंग एजेंट आने लगे हैं। ये एजेंट आपकी त्वचा को छील देते हैं, क्योंकि इनमें रसायन होता है जो स्किन के लिए हानिकारक होते हैं। सनस्क्रीन ऐसी लें जिसमें मुख्य इंग्रीडिएंट विटामिन-सी के साथ एंटी-एजिंग गुण मौजूद हों।

अस्थमा से ग्रस्त बच्चों को बचाने के लिए क्या करें माता-पिता

अगर आपके बच्चे को अस्थमा है तो कोरोना वायरस आपकी चिंता को दोगुना बढ़ा सकता है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन का कहना है कि मध्य से गंभीर अस्थमा के मरीजों को इस वायरस से ज्यादा खतरा है। कोरोना वायरस श्वसन मार्ग को प्रभावित कर सकता है और इससे निमोनिया एवं सांस से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं।

इस बात की पुष्टि के लिए कोई डाटा तो उपलब्ध नहीं है, लेकिन इस बात को ध्यान रखना जरूरी है कि हम सभी एक महामारी के दौर से गुजर रहे हैं और हर दिन कुछ नया सीखने और जानने को मिल रहा है।

फिलहाल कोविड-19 की कोई वैक्सीन या ट्रीटमेंट नहीं आई है। इस बीमारी के इलाज के लिए कई अध्ययन चल रहे हैं और जब तक ट्रीटमेंट या वैक्सीन नहीं बनती है तब तक बचाव ही एकमात्र रास्ता है।

क्या कहते हैं अध्ययन

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने शुरुआत में ही कहा था कि दीर्घकालिक लंग डिजीज (जिसमें गंभीर अस्थमा और एलर्जी शामिल है) के मरीजों को स्वस्थ लोगों की तुलना में कोरोना ज्यादा गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

क्या करें

यदि आपके बच्चे को अस्थमा है तो इस महामारी से उसे सुरक्षित रखने के लिए उसे समय पर दवा देते रहें। इसके अलावा डॉक्टर से बात करते रहें और बच्चे की इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए दवाएं एवं अन्य तरीकों के बारे में पूछते रहें।

ये उपाय करें

अस्थमा से ग्रस्त बच्चों को कोविड-19 से बचाने के लिए आपको कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी होंगी, जैसे कि :

*बच्चे के आसपास धूम्रपान न करें। इसके अलावा अस्थमा को ट्रिगर करने वाले श्वसन संक्रमण, धूल, मिट्टी, प्रदूषण और जानवरों से दूर रहें।

*बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में हैंड सैनिटाइजर और साबुन से हाथ धोना सिखाएं।

*भीड़भाड़ वाली जगह जाने से बचें और किसी बीमारी व्यक्ति से भी बच्चे को दूर रखें। बेवजह यात्रा न करें।

*अगर आपके घर पर कोई बीमार है तो उसे एक अकेले कमरे में छोड़ें। इससे घर में वायरस फैलने का खतरा कम होता है।

*घर की सफाई में ऐसे कीटनाशक का इस्तेमाल न करें, जो अस्थमा के अटैक को ट्रिगर कर सकता है।(आरएनएस)

8 से 12 घंटे तक लैपटॉप पर काम करने से आंखों को लग सकता है रोग!

अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं तो नीचे कुछ ऐसी ही खास सावधानी और खाद्य पदार्थ बताए जा रहे हैं जो वर्क फ्रॉम होम के दौरान आपकी आंखों को सेहतमंद रखने में काफी मददगार साबित होंगे। कुछ लोग ऐसे हैं जो अपने लैपटॉप को बिस्तर पर रखकर इसी स्थिति में 8 से 12 घंटे तक काम कर रहे हैं। आप भी ऐसा कर रहे हैं तो सावधान हो जाएं क्योंकि यह आपकी आंखों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। लैपटॉप को किसी तकिया के सहारे या फिर ब्लैंकेट को लेकर थोड़ी ऊंचाई पर रखें ताकि आपको स्क्रीन आंखों के समानांतर दिखाई दे सके। दरअसल स्क्रीन नीचे होने के कारण आप ठीक तरह से चीजों को नहीं समझ पाएंगे और स्क्रीन देखने के लिए आपको आंखों पर ज्यादा जोर देना पड़ेगा और यह आपकी आंखों की दृष्टि क्षमता को कमजोर बना सकता है। इसलिए कोशिश करें कि यदि कोई स्टडी टेबल घर में मौजूद है तो उस पर ही लैपटॉप को रखें।

कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कमरे की लाइट बंद करके भी काम कर रहे हैं। हालांकि, यह थोड़ी देर के लिए मानसिक सुकून तो दे सकता है लेकिन यह आपकी आंखों के लिए कई प्रकार के हानिकारक प्रभाव भी उत्पन्न करता है। लैपटॉप की स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी सीधे तौर से आपकी आंखों पर पड़ती है और कमरे में कोई और लाइट ना जलने के कारण इसका तेज प्रभाव आपके आंखों को सीधा प्रभावित करता है। यह आपकी आंखों कि देखने की क्षमता को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए कोशिश करें कि वर्क फ्रॉम होम के दौरान अगर आप कंप्यूटर या लैपटॉप पर काम कर रहे हैं तो अपने कमरे की लाइट को ऑन करके रखें। आगे की स्लाइड्स में आपको ऐसे खाद्य पदार्थ बताया जा रहे हैं जो विटामिन ए की पूर्ति करके आपके आंखों को स्वस्थ रखने में भी काफी मदद कर सकते हैं।

गाजर

आंखों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि इसे पर्याप्त रूप से विटामिन ए की मात्रा मिले। विटामिन ए की मात्रा भरपूर रूप से गाजर में पाई जाती है। इसलिए आंखों के बेहतरीन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आप गाजर का सेवन कर सकते हैं। आप चाहें तो गाजर का सलाद या फिर जूस के रूप में भी नियमित रूप से सेवन कर सकते हैं।

मूली

मूली को आप पराठेऔर सलाद के रूप में भी खाते हैं। आजकल आपको मूली बड़ी आसानी से मिल जाएगी और हायब्रिड प्रजाति के प्रभाव में आने के बाद यह लगभग हर मौसम में ही बाजार में जाती है। आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए इसमें भी विटामिन ए की मात्रा मौजूद होती है। इसलिए मूली का नियमित रूप से सेवन करने के कारण आपकी आंखों को पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए मिलेगा।

पालक

पालक हरी सब्जियों में प्रमुख रूप से गिनी जाती है और कई लोगों के द्वारा इसका जूस और स्मूदी के रूप में भी सेवन किया जाता है। आंखों के देखने की क्षमता को अगर आप स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं तो पालक को अपनी डायट में शामिल करना ना भूलें। लॉकडाउन के दौरान यह सब्जी बड़ी आसानी से आपको मार्केट में मिल जाएगी। रिसर्च गेट के अनुसार पालक में मौजूद पोषक तत्वों का सेवन आंखों की रेटिना को कई प्रकार के रोगों से बचाने का कार्य करता है।

फल

भारत में कई प्रकार के फल पाए जाते हैं जो अपने स्वाद और गुण के कारण लोगों के बीच बहुत प्रचलित भी हैं। इनका नियमित रूप से किया गया सेवन ना केवल आपको कई प्रकार के रोगों से बचाता है बल्कि आंखों के लिए भी कई प्रकार से लाभदायक हो सकता है। आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए एनसीबीआई के द्वारा ग्रेपफ्रूट के जूस और फल को खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा पपीता, संतरा, स्ट्रॉबेरी जैसे खाद्य पदार्थ भी आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हो सकते हैं।

फिट रहने के लिए जिम क्यों जाना

पिछले कुछ समय से जिस तरह लोगों का फिटनेस के प्रति रूझान बढ़ा है, उसके कारण अब लोग जिम की तरफ अधिक रूख करने लगे हैं। यकीनन जिम में आप कई तरह से वर्कआउट कर सकते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि अगर आप घर पर हैं तो आप खुद को फिट नहीं रख सकते। ऐसी कई एक्सरसाइज हैं, जिन्हें आप आसानी से घर पर भी करके खुद को हेल्दी व फिट रख सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में....

रस्सी कूदना

अगर आप अपनी पूरी बॉडी को फिट रखना चाहते हैं तो रस्सी कूदना एक अच्छा विचार है। यह उन लोगों के लिए भी अच्छा है, जो अलग से खुद को वक्त नहीं दे पाते। हर दिन महज दस मिनट के लिए रस्सी कूदने से आपकी पूरी बॉडी का वर्कआउट हो जाता है।

क्रंचेस

क्रंचेस करने के लिए किसी भी तरह के एक्विपमेंट की जरूरत नहीं होती। आप कई तरह के क्रंचेस आसानी से घर पर कर सकते हैं और अगर आपका टमी बढ़ा हुआ है तो उसे भी कम कर सकते हैं।

डांस

अगर आपको अलग से एक्सरसाइज करना बोरिंग लगता है तो आप डांस के जरिए खुद को फिट रख सकते हैं। डांस के दौरान आप कई तरह के स्टेप्स करते हैं, जिससे आपकी पूरी बॉडी का वर्कआउट होता है। साथ ही डांस करने से तनाव भी कम होता है और आपकी मेंटल हेल्थ बेहतर होती है। बस आप अपनी पसंद का गाना लगाएं और झूमकर नाचें।

स्टेपर

यूं तो मार्केट में अलग से स्टेपर मिलते हैं। आप उसे भी आसानी से खरीदकर घर पर स्टेपर कर सकते हैं। लेकिन अगर आप स्टेपर नहीं खरीदना चाहते तो आप अपने घर की सीढ़ियों पर ही रोज स्टेपर करें। इससे न सिर्फ आपका वजन धीरे-धीरे कम होने लगेगा, बल्कि आपका स्टेमिना और पैरों की स्टेंथ भी बढ़ेगी।

योगा

आज के समय में पूरे विश्व में लोग योग के महत्व को समझने लगे हैं और इसे करने के लिए आपको अलग से किसी चीज की जरूरत नहीं होती। अगर आप चाहें तो हर दिन घर पर योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं। इसमें आप ब्रीदिंग एक्सरसाइज, प्रणायाम, सूर्य नमस्कार आदि जरूर करें, क्योंकि इससे आपके शरीर व मानसिक स्वास्थ्य पर बेहतरीन प्रभाव पड़ता है। (आरएनएस)

30 या 31 अगस्त, कब है रक्षाबंधन?

रक्षाबंधन भाई-बहन के विशेष बंधन का सम्मान करने वाला एक हिंदू त्योहार हैहालांकि, इस साल भद्रा काल के कारण रक्षाबंधन कब मनाया जाए, इसे लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई हैइसका कारण है कि गूगल रक्षाबंधन की तिथि 30 अगस्त दिखा रहा है, जबकि हर साल राखी सावन महीने के आखिरी दिन यानी पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है।अगर आप भी इसी कशमकश में हैं तो आइए आज हम आपको रक्षाबंधन की सही तिथि बताते हैं।

इस साल रक्षाबंधन 30 अगस्त (बुधवार) को है। राखी बांधने और रक्षाबंधन अनुष्ठान करने का शुभ मुहूर्त भद्रा समाप्ति समय के बाद रात 9:01 बजे से शुरू होगा।रक्षाबंधन भद्रा समाप्ति समय रात 9:01 बजे का है, जबकि रक्षाबंधन भद्रा मुख का समय शाम 6:31 बजे से रात 8:11 बजे तक हैइस बीच पूर्णिमा तिथि 30 अगस्त को सुबह 10:58 बजे शुरू होगी और 31 अगस्त को सुबह 7:05 बजे समाप्त होगी।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार भगवान कृष्ण की उंगली गलती से सुदर्शन चक्र से कट गई थी। यह देखकर राजकुमारी द्रौपदी ने खून को रोकने के लिए उनकी उंगली पर कपड़े का टुकड़ा बांध दिया।भगवान कृष्ण उनके भाव से बहुत प्रभावित हुए और बदले में दुनिया की सभी बुराइयों से उनकी देखभाल करने का वादा किया। साथ ही समय-समय इस वादे को निभाया भी।तब से ही भाई-बहन के रिश्ते के सम्मान में रक्षाबंधन मनाया जाने लगा।

यह त्योहार भारत के सभी हिस्सों विशेषकर उत्तर और पश्चिम में उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके लंबे, समृद्ध और सुखी जीवन की कामना करती हैं। बदले में भाई अपनी बहनों को जीवनभर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं।इसके अतिरिक्त भाई अपनी बहनों को विशेष उपहार भी देते हैं।साथ ही इस अवसर पर घर में तरह-तरह के पकवान भी बनाए जाते हैं।

अगर आपका भाई आपसे दूर है तो आप उसे पहले ही राखी भेज दें। अपने भाई के लिए एक सुंदर राखी खरीदें और उसके निवास स्थान पर घर भेज दें। आप चाहें तो अपने भाई के लिए पर्यावरण के अनुकूल राखी खुद से भी बना सकती हैं।इसके अलावा इस रक्षाबंधन के मौके पर अपने भाई-बहनों को किसी ऐसे उपहार से आश्चर्यचकित करें, जो उन्हें बेहद पसंद आएगा।साथ ही रक्षाबंधन वाले दिन एक-दूसरे को वीडियो कॉल करें। (आरएनएस)

...कहीं ये बहरेपन का संकेत तो नहीं?

किसी के जोर से भी बोलने पर अगर सुनने में परेशानी हो तो यह हियरिंग लॉस यानी बहरापन का संकेत हो सकता है। बहरापन की स्थिति कम सुनना या बिल्कुल भी सुनाई न देना है। यह बीमारी हल्के से शुरू होती है और गंभीर समस्या बन सकती है। इसलिए इसके लक्षणों को समय पर समझना जरूरी है।

अगर लोगों की आवाज या किसी भी प्रकार की ध्वनि धीमी सुनाई दे, कुछ विशेष तरह के शब्दों को समझने में परेशानी का अनुभव हो, टीवी या रेडियो को तेज आवाज में ही सुनने लगें या फिर लोगों को साफ, धीमी गति से और जोर से बोलने के लिए बार-बार कहना पड़े तो यह हियरिंग लॉस के संकेत हैं। इस तरह सुनाई न देने की स्थिति में दिनचर्या प्रभावित हो रही हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। बहरेपन का कारण कान के भीतरी हिस्से में क्षति होना, कान में मैल, कान में संक्रमण, असामान्य रूप से हड्डी बढ़ना या ट्यूमर हो सकता है। इनके कारणों में कान के पर्दे में छेद होना भी शामिल है। सुनने की शक्ति कम होने या खोने की आशंका बढ़ने के कुछ कारक हो सकते हैं, जिसमें उम्र का बढ़ना, शोर, आनुवंशिकता हो सकती है।

कान की बीमारियां विशेष रूप से चिंताजनक होती हैं, क्योंकि दर्द और असुविधा या यहां तक कि सुनने की क्षमता कम होने का कारण बन सकती है। हालांकि, सभी प्रकार के कान के रोग से श्रवण हानि नहीं होती है, लेकिन कान के कुछ रोगों के परिणामस्वरूप बहरापन भी हो सकता है। हियरिंग लॉस को डायग्नोज करने के लिए शारीरिक परीक्षण, सामान्य स्क्रीनिंग टेस्ट, ट्यूनिंग फोर्क टेस्ट, ऑडीओमीटर टेस्ट किए जाते हैं। इसके उपचार के विकल्पों में कान के मैल को हटाना, सर्जिकल प्रक्रिया और हियरिंग एड्स शामिल हैं। खास बात यह भी है कि इस बीमारी के कारण अवसाद, चिंता और तनाव जैसी अन्य समस्याएं भी पैदा हो जाती हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

भूलकर भी ना करें आती हुई छींक को रोकने की गलती

बच्चों से लेकर बड़ों तक सबको छींक आती है। कुछ लोगों को अपनी छींक से ऐतराज नहीं होता। लेकिन कुछ लोग छींकने से शर्माते हैं और छींक रोकने की कोशिश भी करते हैं। बिना ये सोचे कि छींक रोकने की ये कोशिश जान पर भारी भी पड़ सकती है। आप को शायद ये बातें बेमानी लगे। लेकिन हकीकत यही है छींक रोकने से कभी कभी ऐसे हालात भी बन सकते हैं जो आपकी जान पर बेहद भारी साबित हो सकते हैं। एक शख्स इसका शिकार भी हो चुका है।

छींक रोकने से फट गया गला

रिपोर्ट के मुताबिक 34 साल के एक शख्स को छींक रोकना इस कदर भारी पड़ा कि जान के लाले ही पड़ गए। ब्रिटेन के इस शख्स के गले में तेज दर्द और सूजन आने लगी। कुछ ही दिन में उसके लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया। परेशान शख्स इलाज के लिए डॉक्टर के पास पहुंचा। अपनी इस तकलीफ का कारण सुना तो पहली बार में उसे भी यकीन नहीं हुआ। डॉक्टर ने उसे बताया की छींक रुकने से सारा प्रेशर गले में अंदर चला गया। जिससे गले के मुलायम टिश्यूज फट गए। इस वजह से उसके लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया।

क्यों खतरनाक है छींक रोकना?

जब भी छींक आती है तब नाक के रास्ते से तेज हवा बाहर ती है। अब अगर आप छींक रोकते हैं तो हवा का दबाव बाहर जाने की जगह अंदर ही मुड़ जाता है। जिसका असर किसी और अंग पर पड़ सकता है। छींक के रास्ते बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर बहुत ज्यादा होता है। ये अगर कान के जरिए बाहर निकलती है तो कान के पर्दे भी फाड़ सकती है। इस प्रेशर से आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स भी फट सकते हैं। असर ज्यादा गंभीर हुआ तो जान जाने का डर भी बना रहता है। इसलिए छींक रोकने की गलती कभी न करें।

नेहा शेट्टी ने बैक-टू-बैक हिट गानों के साथ सनसनीखेज रिकॉर्ड बनाया

एक उभरते सितारे के रूप में उभरते हुए, नेहा शेट्टी ने अपनी फिल्म डीजे टिल्लू से सुर्खियां बटोरीं। जहां फिल्म ने सिद्धु जोनालागड्डा को प्रसिद्धि दिलाई, वहीं नेहा ने अपनी खुद की यात्रा का सामना किया और धीरे-धीरे आशाजनक भूमिकाएं हासिल कीं।

अब, नेहा शेट्टी दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों, रूल्स रंजन और गैंग्स ऑफ गोदावरी के साथ शानदार वापसी कर रही हैं, जो उद्योग और सोशल मीडिया हलकों में चर्चा का विषय बन रही हैं। उनकी मनमोहक उपस्थिति फिल्म के गानों में झलकती है, विशेष रूप से रूल्स रंजन से सम्मोहनुदा और गैंग्स ऑफ गोदावरी से सुत्तमल सूसी, जो कामुक आकर्षण और ग्लैमर बिखेरते हैं।

नेहा शेट्टी की मनमोहक उपस्थिति और मंत्रमुग्ध कर देने वाले डांस मूव्स ने सोशल प्लेटफॉर्म पर चर्चाएं छेड़ दी हैं। यह स्पष्ट है कि नेहा के लिए टॉलीवुड में चमकने का समय आ गया है, जिससे उभरती हुई एक रोमांचक प्रतिभा के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हो गई है।

शब्द सामर्थ्य -024

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

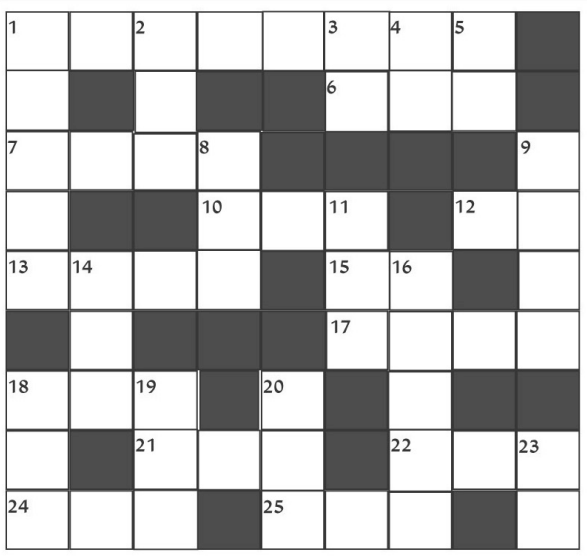

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 23 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

निखिल सिद्धार्थ की स्वयंभू की शूटिंग शुरु

निखिल सिद्धार्थ ने अपनी आगामी फंतासी-एक्शन-रोमांस फिल्म स्वयंभू की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसके लिए उन्होंने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। अपने इंस्टाग्राम पर अभिनेता ने पोस्टर का खुलासा किया, जिसमें एक स्क्रॉल है जिसमें उन्हें पूर्ण योद्धा मोड में दिखाया गया है, जो सुनहरी रोशनी में घोड़े पर सवार अपने धनुष और तीर से आग उगलते सर्पिन राक्षस से लड़ रहे हैं।

उन्होंने स्वयंभू के पोस्टर को कैप्शन दिया: द एपिक जर्नी बिगिन्स ##स्वयंभू ##शूटबिगिन्स।

इससे पहले भी, अभिनेता ने एक और महाकाव्य दिखने वाले पोस्टर का अनावरण किया था, जिसमें उन्हें हाथ में भाला लेकर अपने दुश्मनों को मारने के लिए तैयार युद्ध कवच पहने हुए दिखाया गया था।

फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है, हालांकि कहा गया है कि यह एक भव्य तमाशा होगी और इसमें बाहुबली और मगधीरा जैसी शैली होगी, दोनों ने भारत में काल्पनिक महाकाव्य युद्ध फिल्मों को प्रेरित किया था।

कार्तिकेय 2 की भारी सफलता के बाद, जिसने निखिल को एक अखिल भारतीय व्यक्तित्व के रूप में स्थापित किया, क्योंकि इसने हिंदी बेल्ट के बाजारों में भी अच्छी कमाई की, स्वयंभू की रिलीज के बाद, स्वयंभू में निखिल फिर से इस फिल्म के साथ अधिक प्रयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए दिखाई देंगे। उनकी नवीनतम फिल्म स्पाई, जो बहुत बड़ी हिट नहीं थी।

लेकिन बॉक्स ऑफिस पर असफलता ने निखिल को बड़े और साहसिक प्रोजेक्ट करने से नहीं रोका, क्योंकि स्वयंभू उनका 20वां उद्यम होगा और अब तक का उनका सबसे महत्वाकांक्षी और महंगा प्रोजेक्ट होगा, जिसमें बड़े पैमाने पर उत्पादन मूल्य, सेट डिजाइन और बहुत विस्तृत कहानी विशेषताएं होंगी।

इस बीच, दर्शक कार्तिकेय 3 की रिलीज का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो फिलहाल निर्माणाधीन है। भरत कृष्णमाचारी द्वारा निर्देशित, फिल्म के लिए संगीत रवि बसरू द्वारा प्रदान किया गया है और भुवन और श्रीकर द्वारा निर्मित है।

स्वयंभू भारत में तेलुगु, हिंदी, मलयालम, तमिल और कन्नड़ में रिलीज होगी। हालाँकि, अभी तक फिल्म की आधिकारिक रिलीज़ डेट को लेकर कोई आधिकारिक खबर नहीं आई है, जिससे यह थोड़ा रहस्यपूर्ण हो गया है।

सबसे बोल्ड टीवी रियलिटी शो होस्ट करेंगी दिव्या अग्रवाल, होगी रोमांस की सारी हदें पार

दिव्या अग्रवाल कई रियलिटी शो में बतौर प्रतियोगी हिस्सा रह चुकी हैं. हालाँकि, इस बार पहली बार एक होस्ट की भूमिका निभाने वाली हैं. दिव्या को किस इश्क एन कनेक्शन्स (के.आई.एन.के) नाम के एक रिलेशनशिप-बेस्ड रियलिटी शो की होस्टिंग के लिए चुना गया है. यह शो छह जोड़ों के एक-दूसरे के लिए प्यार का टेस्ट लेगा. दमन और दीव में फिल्माए गए इस शो में इन जोड़ों को मुश्किल सिचुएशन्स में रखा जाएगा. साथ ही, यह शो अतरंगी ओटीटी और टीवी पर आएगा.

दिव्या अग्रवाल स्प्लिट्सविला की रनरअप हैं और ऐस ऑफ स्पेस की विनर हैं. इसलिए, एक्ट्रेस को रिश्ते पर आधारित रियलिटी शो की मेजबानी करते देखना खुशी की बात होगी. के.आई.एन.के में मसाला जोड़ने के लिए, जोड़ों के एक्स लवर्स भी नाटक, पछतावा, दिल टूटना और झगड़े पैदा करने के लिए ऐंटर करेंगे. विजेता बनने के लिए जोड़ों को कड़ी मेहनत करनी होगी.

दिव्या अग्रवाल ने शो के बारे में कहा, इस शो ने कॉन्सेप्ट से ही मेरा ध्यान आकर्षित किया, बहुत सारे डेटिंग रियलिटी शो हैं, लेकिन यह काफी आशाजनक और ताज़ा लगता है. साथ ही, 5 साल पहले एक डेटिंग रियलिटी शो की प्रतियोगी होने से लेकर अब इसकी मेजबानी करने तक, भाग्य ने एक बड़ी भूमिका निभाई है. इस शो में काफी दिलचस्प प्रतियोगी हैं, और मैं टीवी और ओटीटी पर इस अनोखे शो को देखने के लिए दर्शकों का इंतजार नहीं कर सकता.

दिव्या अग्रवाल 2017 में एमटीवी स्प्लिट्सविला 10 की रनरअप रही हैं. उन्होंने 2021 में बिग बॉस ओटीटी भी जीता. वह रागिनी एमएमएस: रिटर्न्स, कार्टेल और अभय सीरीज में भी दिखाई दी हैं.

राजवीर की दोनों 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी फिल्म गदर 2 की सफलता का आनंद ले रहे हैं, वहीं अब उनके बेटे राजवीर देओल भी अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैंराजवीर राजश्री की फिल्म दोनों का हिस्सा हैं, जिसमें उनकी जोड़ी पूनम ढिल्लों की बेटी पालोमा ढिल्लों के साथ बनी है। फिल्म के टीजर और गाने को लोगों ने भरपूर प्यार दिया है और अब इसकी रिलीज तारीख का भी ऐलान हो गया है।

राजश्री और जियो स्टूडियो की ओर से ट्विटर पर फिल्म का पोस्टर साझा कर रिलीज तारीख की घोषणा की गई हैपोस्टर में राजवीर और पालोमा मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं, वहीं इसके साथ लिखा है, दोनों आ रहे हैं आपसे मिलने 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों मेंमालूम हो कि इस फिल्म से राजवीर और पालोमा ही नहीं, सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या भी निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं।

दोनों की कहानी रोमांस और ड्रामे से भरपूर होगी, जिसमें एक शादी के दौरान दुल्हन के दोस्त देव (राजवीर) की मुलाकात दूल्हे की दोस्त मेघना (पालोमा) से होती है। इसके बाद शादी के बीच में ही इन 2 अजनबियों के बीच एक प्यार की शुरुआत होती है। दोनों का यह सफर दिल छू लेने वाला है, जिसमें उनकी मंजिल एक ही है।दरअसल, दोनों एक शहरी कहानी है, जो दो लोगों के बीच रोमांस और रिश्तों का जश्न मनाती है।

दोनों 1989 में आई फिल्म मैंने प्यार किया का इतिहास दोहराएगी, जिससे राजश्री के नए निर्देशक सूरज ने दो नए चेहरों को लॉन्च किया थादोनों राजश्री के लिए खास है क्योंकि इससे परिवार की अगली पीढ़ी निर्देशन क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। अवनीश एक निर्देशक के रूप में राजश्री की 59वीं फिल्म का निर्देशन करेंगे।इससे पहले वह प्रेम रतन धन पायो (2015) में सहायक निर्देशक और ऊंचाई (2022) में एसोसिएट निर्देशक के रूप में काम किया है।

फिल्म दोनों का हाल में गाना रिलीज हुआ था, जिसे किसी और ने नहीं बल्कि राजश्री की सबसे लोकप्रिय जोड़ी सलमान खान और भाग्यश्री ने लॉन्च किया थादोनों सितारे अवनीश के पिता सूरज की बतौर निर्देशक पहली फिल्म मैंने प्यार किया में नजर आए थे, जिसे आज भी लोग पसंद करते हैंदोनों के निर्माता कमल कुमार बड़जात्या, राजकुमार बड़जात्या और अजीत कुमार बड़जात्या हैं, वहीं क्रिएटिव प्रोडक्शन का नेतृत्व सूरज कर रहे हैं।

दिशा पटानी बनीं क्यूं करू फिकर की डायरेक्टर

अभिनेत्री दिशा पटानी ने बहुप्रतीक्षित गीत क्यों करू फिकर के लिए निर्देशक की भूमिका निभाई है, जिसे 2023 का गर्ल्स एंथम कहा जाता है। अपने निर्देशन कर्तव्यों के साथ-साथ, तेजस्वी लोफर सुंदरता अपनी उपस्थिति से संगीत वीडियो की शोभा बढ़ाती है। निखिता गांधी द्वारा गाया गया और वैभव पाणि द्वारा रचित, वायु के बोल के साथ, गाने का टीज़र 16 अगस्त, 2023 को रिलीज़ हुई। एक आकर्षक पोस्टर पहले ही जारी किया जा चुका है, जो उत्साह बढ़ा रहा है।

अपने निर्देशन के अलावा, दिशा पटानी ने दो अखिल भारतीय फिल्मों, कल्कि 2898 एडी और कांगुवा में अभिनय किया है। वह 15 दिसंबर, 2023 को रिलीज होने वाली आगामी हिंदी फिल्म योद्धा का भी हिस्सा हैं।

ममूटी ने शुरु की अपनी अगली हॉरर थ्रिलर ब्रमायुगम की शूटिंग

ममूटी ने अपनी अगली फिल्म ब्रमायुगम की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा किया। यह एक हॉरर थ्रिलर है और इसका निर्देशन राहुल सदाशिवन ने किया है। ब्रमायुगम पहली फिल्म है जो नाइट शिफ्ट स्टूडियो के बैनर तले बनी है। ब्रमायुगम मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में रिलीज़ होगी।

ममूटी ने अपनी आगामी हॉरर थ्रिलर ब्रमायुगम का पहला पोस्टर ट्विटर पर साझा किया। उन्होंने लिखा, ##ब्रह्मयुगम - मेरी अगली शूटिंग आज से शुरू हो रही है।

फिल्म के निर्देशक और लेखक राहुल सदाशिवन ने अभिनेता के साथ अपने सहयोग को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं दिग्गज ममूक्का को निर्देशित करने के सपने को जीने के लिए उत्साहित हूं। ब्रमायुगम केरल के अंधेरे युग में स्थापित एक मूल कहानी है, और इसे बनाने की सीमाओं को आगे बढ़ाने में निर्माताओं द्वारा समर्थन पाकर मुझे खुशी है। एक गहन फिल्म अनुभव में। मुझे उम्मीद है कि यह ममूक्का के प्रशंसकों और दुनिया भर में इस शैली के प्रशंसकों के लिए एक सौगात होगी।

निर्माता, चक्रवर्ती रामचंद्र और एस शशिकांत ने कहा, हम अपने शुरुआती प्रोडक्शन में महान ममूक्का को लेकर सम्मानित और रोमांचित हैं। ममूक्का की अद्वितीय छवि एक शानदार सिनेमाई अनुभव में जान डालने के लिए तैयार है। ब्रमायुगम हमारे निर्देशक राहुल द्वारा प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ मिलकर बनाई गई एक आशाजनक दुनिया है।

ब्रमायुगम में अर्जुन अशोकन, सिद्धार्थ भारतन और अमाल्डा लिज़ भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 2024 की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म की शूटिंग कोच्चि और ओट्टापलम में भव्य पैमाने पर की जा रही है। इस बीच, ब्रमायुगम के अलावा ममूटी गंभीर अपराध नाटक बाज़ूका में भी दिखाई देंगे। फिल्मांकन मई में शुरू हुआ।

तालीबानी प्रशासन पाकिस्तान से बेहतर?

श्रुति व्यास

अफगानिस्तान में तालिबान के राज के दो साल पूरे हुए। दो वर्ष बाद की अफगानिस्तान की जो तस्वीर है वह निर्मम और दु:खद है। तालिबानी राज का दूसरा दौर उतना ही बुरा है जितना पहला दौर था - विशेषकर महिलाओं और लड़कियों के लिए। अफगानिस्तान अब दुनिया का इकलौता देश है जहां लड़कियों के लिए मिडिल से ऊंची शिक्षा हासिल करना और ज्यादातर तरह के काम करना गैर-कानूनी है। संयुक्त राष्ट्रसंघ के अनुसार अफगानिस्तान में स्कूल जाने की उम्र की 25 लाख लड़कियों में से 80 प्रतिशत शिक्षा से वंचित हैं।

अफ़ग़ानिस्तान का ज्यादातर हिस्सा भुखमरी का शिकार है। विदेशी निवेश और विदेशी पैसा आना बंद है क्योंकि विदेशी बैंक अफगानिस्तान से लेनदेन के लिए तैयार नहीं हैं। विश्व बैंक के अनुसार अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था का आकार 2021 से 2022 के बीच 35 प्रतिशत सिकुड़ा है।

जैसा अनुमान था, तालिबान ने अपने स्थानीय प्रतिद्वंद्वियों को सत्ता में हिस्सेदारी नहीं दी। शासन में ज्यादातर मुल्ला पख्तून हैं जो अफगानिस्तान का सबसे बड़ा कबीला है। उसके बहुत से प्रतिद्वंद्वी ताजिक हैं, जो दूसरा बड़ा कबीला है। इससे इन दोनों समूहों के बीच टकराव दुबारा शुरू होने का खतरा बढ़ गया है, जैसा की1990 के दशक में हुआ और देश तबाह हुआ।

जहां तक आतंकवाद का प्रश्न है, अफगानिस्तान आतंकवादियों की पनाहगाह है। एक साल से कुछ अधिक समय पहले, अमरीकी सरकार ने अल कायदा नेता अल-जवाहिरी को काबुल में ढूंढा और ड्रोन हमले से उसे मौत के घाट उतारा।

अफगानिस्तान में दो श्रेणियों के आतंकवादी समूह हैं- पहले वे जो तालिबान के साथ हैं और दूसरे वे जो तालिबान के खिलाफ हैं। तालिबान के सहयोगी समूहों में अल कायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और मध्य एशिया के कई जेहादी हैं। तालिबान विरोधी संगठनों में से प्रमुख है इस्लामिक स्टेट खोरासन (आईसिस-के) जिसे लेकर सबसे ज्यादा चिंता है। विश्व स्तर पर अल-कायदा अब तक के अपने इतिहास में सबसे कमज़ोर स्थिति में है। सीरिया और ईराक में हुए युद्धों के नतीजे में उभरे आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के कारण अल कायदा कमजोर हो गया है। और तालिबानी, इस्लामिक स्टेट के स्थानीय साथी संगठन - जिसे वह खतरनाक प्रतिद्वंद्वी मानता है - पर हमलावर है।

बावजूद इसके सब के कहा जा रहा है कि तालिबान का राज इतना बुरा भी नहीं है। ऐसी खबरें थीं कि देश की मुद्रा अफगानी की कीमत जब दिसंबर 2021 में रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंची तब मौलवियों ने केन्द्रीय बैंक से सलाह मांगी जिसमें बड़ी संख्या में पश्चिमी देशों में शिक्षित अधिकारी हैं और इसके कारण करेंसी में स्थिरता लौटी। आज उसका मूल्य डालर की तुलना में काबुल के पतन के दिन से 7 प्रतिशत कम है। भ्रष्टाचार पर अंकुश है। शरीयत कानून से कानून-व्यवस्था पर कठोर नियंत्रण है। विदेशी पाबंदियों के बावजूद तालिबान सरकार अपने कर्मचारियों के वेतन के लिए पर्याप्त रकम जुटा पा रही है। काबुल स्थित एक मीडिया संस्थान के प्रमुख, जिन्हें किसी भी तरह से मुल्लाओं का प्रशंसक नहीं माना जा सकता, वे मानते हैं कि अफगानिस्तान में प्रशासन पाकिस्तान से बेहतर है। वे यह भी मानते हैं कि अफगान टीवी चैनलों को भारत और तुर्की के चैनलों की तुलना में खबरें देने की अधिक आजादी है। अफगानिस्तान की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत की पड़ताल में रूचि रखने वाले विदेशी और स्थानीय पुरातत्ववेत्ताओं और क्यूरेटरों का एक समूह, जो काबुल में है, तालिबान की इस बात के लिए प्रशंसा करता है कि वह देश में इस्लाम के आने के पहले के समय से जुड़े पुरातात्विक स्थलों की भी मरम्मत और देखभाल कर रहा है।

लेकिन इससे लोगों की बुरी दशा पर पर्दा नहीं पडता। अफगानिस्तान में नौकरियां नहीं हैं। पूरे देश में कुपोषण की स्थिति गंभीर होती जा रही है। खाद्यान्नों की जबरदस्त कमी है। दो जून की रोटी जुटाने के लिए बच्चों को भी माता-पिता जितनी मेहनत करनी पड़ रही है। सन् 2019 में 63 लाख अफगानियों को मानवीय सहायता की जरूरत थी और आज 2 करोड़80 लाख को है। संयुक्त राष्ट्रसंघ के अनुसार 97 प्रतिशत अफगान गरीबी की रेखा के नीचे जी रहे हैं। महिलाओं के स्कूलों में दाखिले, काम करने और आजादी से रहने की मनाही है।

तालिबानी अफगानिस्तान लगभग पूरी दुनिया से अलग-थलग है। जहां तक अफगानियों का सवाल है, जो देश छोड़कर नहीं जा सके हैं उन्होंने अपनी किस्मत से समझौता कर लिया है। वे थके हुए हैं और निराश भी। तालिबानी शासको को जनभावनाओं के बारे में न तो कुछ पता है और ना ही उसकी परवाह है क्योंकि वे ताकत और बंदूक से राज करते हैं। पश्चिमी देश नाराज़ तो है लेकिन किसी की भी अफ़ग़ानिस्तान में दिलचस्पी नहीं रही। अफगानिस्तान दुनिया की नजरों से दूर और उसके दिमाग से बाहर हो है और अफगानियों को कही से, किसी का भी सहारा नहीं है।

भाजपा में चुनावी राज्यों पर चिंता

भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक बुधवार की शाम को पार्टी मुख्यालय में हुई। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। इससे इस बैठक की गंभीरता का पता चलता है।

हालांकि हैरान करने वाली बात यह है कि केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक आमतौर पर चुनावों की घोषणा के बाद होती है और बैठक के तुरंत बाद उम्मीदवारों की घोषणा होती है। यह कमेटी उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिए बैठती है। इस बार ऐसा नहीं हुआ है। इस बार बैठक चुनाव की रणनीति पर विचार के लिए हुई। कायदे से यह विचार विमर्श भाजपा के संसदीय बोर्ड की बैठक में होनी चाहिए थी, लेकिन वह चुनाव समिति की बैठक में हुई।

बताया जा रहा है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व राज्यों में चुनावी तैयारियों और हालात को लेकर बहुत भरोसे में नहीं है। भाजपा के जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी को कांग्रेस शासित दोनों राज्यों की चिंता है। यानी राजस्थान और छत्तीसगढ़ को लेकर भाजपा ज्यादा चिंता में है। यह हैरान करने वाली बात है क्योंकि अब तक यह माना जा रहा था कि भाजपा राजस्थान में अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है और मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ को लेकर चिंता में है। लेकिन पार्टी की बुधवार को हुई बैठक के बाद दूसरी खबर सामने आ रही है।

ध्यान रहे बुधवार की बैठक में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल थे। वे चुनावी राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य के तौर पर बैठक में शामिल हुए। उन्होंने अपनी सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में चुनाव समिति को बताया। जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी इसके बारे में पहले से जानकारी है। पिछले दिनों अमित शाह ने भोपाल का दौरा किया था तब भी उनको फीडबैक मिली थी। पार्टी को अलग अलग सोर्सेज से मिली जानकारी का लब्बोलुआब यह है कि शिवराज सरकार ने लाड़ली बहन योजना सहित जो दूसरी योजनाएं शुरू की हैं उनका जमीनी स्तर पर असर हो रहा है। इसलिए मध्य प्रदेश में मुकाबला एकतरफा नहीं है। कांटे की लड़ाई है, और प्रचार व प्रबंधन से पलड़ा किसी भी तरफ झुक सकता है।

बताया जा रहा है कि जिस तरह से मध्य प्रदेश में सरकार की योजनाएं असर दिखा रही हैं उसी तरह राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की सरकारों की ओर से चलाई जा रही योजनाओं का असर दिख रहा है और यही बात भाजपा को चिंता में डालने वाली है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की शुरू की गई चिरंजीवी योजना हो या न्यूनतम आय की योजना हो, उसका व्यापक असर हुआ है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में न्याय योजना का असर दिख रहा है। तभी राजस्थान में जहां पहले भाजपा के पक्ष में एकतरफा माहौल दिख रहा था वहीं अब मुकाबला कांटे का होता जा रहा है। तभी बताया जा रहा है कि भाजपा ने कांग्रेस शासित राज्यों के चुनाव में ज्यादा ताकत लगाने का फैसला किया है। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.024

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 23 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

यही वाजिब सवाल है

कानून के राज का सिद्धांत सभ्यता के विकास के साथ प्रचलन में आया, जिसकी बुनियादी मान्यता है कि कानून सबसे ऊपर है और कानून की निगाह में सभी बराबर हैं। प्रश्न यही है कि क्या नूंह में इस सिद्धांत का पालन हुआ है?

पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के नूंह में मुसलमानों के घर बुल्डोजर से ध्वस्त करने की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए यह अहम सवाल पूछा कि क्या एक समुदाय विशेष के मकानों को ढाह कर सरकार इथनिक क्लीजिंग कर रही है? इस शब्द का संदर्भ बड़ा है। यह शब्द नाजी जर्मनी के समय प्रचलित हुआ था, जब हिटलर की सत्ता ने यहूदियों के सफाये का अभियान छेड़ा था। आज के भारत में किसी संवैधानिक न्यायालय को ऐसा प्रश्न पूछना पड़ा है, तो यह हम सबके लिए विचारणीय है कि क्या हालात सचमुच इस मुकाम तक पहुंच चुके हैं? मीडिया रिपोर्टों से साफ है कि नूंह के दंगे में दोनों समुदायों के हिंसक तत्वों ने भागीदारी की। लेकिन बुल्डोजर की कार्रवाई एक समुदाय विशेष के मकानों पर हुई है।

उसमें एक दर्दनाक कहानी तो एक ऐसे व्यक्ति की सामने आई है कि जिसने असल में तीन हिंदुओं को अपने घर में छिपा कर उनकी जान बचाई थी। लेकिन बुल्डोजर ने उसके घर को भी नहीं बख्शा, जबकि हिंदू समुदाय के जिन लोगों को वहां संरक्षण मिला था वे पुलिस के सामने गुहार लगाते कि संबंधित व्यक्ति का दंगे में कोई भूमिका नहीं थी, बल्कि उसने अपने घर में आए हिंदुओं की आवभगत करते हुए उनकी जान बचाई। जब ऐसी घटनाएं हो रही हों, तब संवैधानिक सोच वाले किसी व्यक्ति के मन में वैसा सवाल उठना लाजिमी हो जाता है, जो अब हाई कोर्ट ने पूछा है।

वैसे भी बुल्डोजर न्याय कानून के राज और इंसाफ के तमाम आधुनिक सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है। इन सिद्धांतों के मुताबिक कार्यपालिका और पुलिस खुद यह तय नहीं कर सकती कि कौन दंगाई या दोषी है? उनका काम अभियोग लगाना है, जिस पर कोर्ट कानून में तय प्रावधानों के मुताबिक निर्णय देता है। इसीलिए बुल्डोजर न्याय असल में कानून के राज को ध्वस्त कर रहा है। कानून के राज का सिद्धांत सभ्यता के विकास के साथ प्रचलन में आया, जिसकी बुनियादी मान्यता है कि कानून सबसे ऊपर है और कानून की निगाह में सभी बराबर हैं। प्रश्न यही है कि क्या नूंह में इस सिद्धांत का पालन हुआ है?(आरएनएस)

अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है पर्याप्त नींद

अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है पर्याप्त नींद। स्वस्थ जीवन के कम से कम 6 घंटे की प्रतिदिन लेना आवश्यक है। अन्यथा आलस्य बना रहता है और बीमारियां होने की संभावनाएं बनती हैं। नींद पूरी न होने के पीछे कारण हो सकते हैं। इन कारणों में से एक है बुरे या डरावने सपने आना। यदि किसी व्यक्ति को बुरे या भयानक सपने दिखाई देते हैं जिनकी वजह से नींद खुल जाती है तो निश्चित ही यह स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस अवस्था से बचने के लिए ज्योतिष के अनुसार एक टोटका या उपाय बताया गया है। इसके अनुसार रात को सोते समय या नींद में सपने देखकर यदि भय लगता हो तो पंलग के नीचे रोटी बनाने के तवा को उल्टा करके रख दें। इस उपाय से निश्चित ही बुरे सपने आना बंद हो जाएंगे। पलंग के नीचे तवा रखने से हमारे आसपास के वातावरण में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा निष्क्रिय हो जाती है। इसी नकारात्मक ऊर्जा की वजह से बुरे सपने दिखाई देते हैं। इन बुरी शक्तियां के प्रभाव में होने से हमारा दिमाग इस प्रकार की बातों को ही सोचता है। पलंग के नीचे तवा रखने पर इन विचारों पर विराम लगता है और नींद अच्छी आती है। इसके साथ ही रात को सोते समय भगवान या इष्ट देवता का नाम लेकर सोना चाहिए। इस उपाय से भी बुरे सपने आना बंद हो जाते हैं और नींद अच्छी आती है।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी भूमि पर कब्जा करने का प्रयास

संवाददाता

देहरादून। फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकारी सम्पत्ति पर कब्जा करने के प्रयास में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डाडां लखौड निवासी इस्लामुददीन अंसारी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सोराब खां पुत्र स्वर्गीय कासिम खां निवासी रिसपना नगर हरिद्वार रोड क्षेत्र थाना डालनवाला देहरादून द्वारा षडयंत्र के आधार पर मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा कर खुद को अमीर आफ काबुल के पारिवारिक सदस्य सरदार शेर मोहम्मद खां पठान की पत्नी बी बी जुबैदा (सही नाम जविदा) है की करोड़ों की सम्पत्ति व भूमि को हड़पने के लिए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर विरासत के रूप में खुद को वारिस घोषित कराकर थाना डालनवाला के पास खाली पड़ी भूमि को बेचना चाहता है। जबकि सोराब खां पुत्र स्वर्गीय कासिम खां हाल निवासी रिसपना नगर हरिद्वार रोड देहरादून मूल निवासी अफजल गढ़ जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश है। ने 26 जून 2013 को उपजिलाधिकारी देहरादून के समक्ष प्रार्थना पत्र के साथ शपथपत्र प्रस्तुत कर उसने अपने दादा की मृत्यु 1984, परदादा की मृत्यु 1960, परदादी की मृत्यु 1964 में हुई दर्शाकर मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का अनूरोध किया था उसके इस पत्र के साथ संलग्न है जो कि सोराब खां के षडयंत्र को स्पष्ट करता है।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान पर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रहमपुरी निवासी बृजेश शर्मा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से रिंग रोड पर गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल रिंग रोड पर खडी कर वह किसी काम से चला गया था। जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सड़क किनारे मरे मिले गौवंश, अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। रास्ते में दो गौवंश के मरने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लेमनटाउन निवासी अभिषक भार्गव ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने आज देखा कि भारूवाला में रास्ते में सडक किनारे गौवंश मरे पडे थे जोकि असामाजिक तत्व का काम लगता है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक सहित एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। स्मैक की डिलीवरी लेने आये एक तस्कर को पुलिस ने 10 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। मौके से एक व्यक्ति भागने में कामयाब रहा जिसे स्मैक डीलर बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली गंगनहर पुलिस को सूचना मिली

कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डीलिंग हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को रेलवे स्टेशन अण्डर पास पर एक रिक्शा सुनसान जगह पर खडा दिखाई दिया। जिसमें 2 व्यक्ति बैठे थे जो पुलिस को देखकर भागने लगे। इस पर पुलिस ने एक को घेर कर दबोच लिया जबकि उसका साथी भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने उसके पास से 10 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम जावेद पुत्र तमरेज निवासी पाडली गुर्जर कोतवाली गंगनहर बताया। बताया कि वह स्मैक खरीदने बेचने का काम करता है। तथा जो व्यक्ति मौके से भाग गया उसका नाम अब्दुल वासिद पुत्र शहजाद गाढा निवासी पाडली गुर्जर है, जो स्मैक मेरे पास से बरामद की गयी है वो भी मैंने अब्दुल वासिद से खरीदी है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

कैंटोनमेंट बोर्ड व्यवस्था को समाप्त किया.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

को भी निकायों के अधिकार क्षेत्र में देना चाहती है। इसमें भले ही अभी थोड़ा समय लग सकता है लेकिन सरकार इसकी प्रक्रिया शुरू कर चुकी है तथा अंग्रेजों के समय के कैंटोनमेंट बोर्ड व्यवस्था को समाप्त करना चाहती है।

सीएम धामी को मुस्लिम बहनों ने बांधी राखी

विशेष संवाददाता

देहरादून। भले ही अभी रक्षा बंधन पर्व में 2 दिन का समय शेष है, लेकिन राजनीतिक हल्कों में रक्षाबंधन पर्व की धूमधाम शुरू हो चुकी है। बीते कल हमने काबीना मंत्री गणेश जोशी को रक्षाबंधन पर्व मनाते देखा जिसमें वह अपनी विधानसभा क्षेत्र की सैकड़ो महिलाओं के बीच अपनी दोनों बाहे फैलाए खड़े हैं और महिलाएं उनके दोनों हाथों में राखियां बाध रही है। आज ऐसा ही एक नजारा मुख्यमंत्री आवास पर देखा गया जहां सैकड़ो मुस्लिम महिलाएं मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को रक्षा सूत्र बांध रही थी और वह अपने दोनों हाथ फैलाकर राखियां बंधवा रही थी तथा उन्हें रक्षा का वचन दे रहे थे।

सही मायने में ऐसी तस्वीर देखकर एक सुखद एहसास होना स्वाभाविक है समाज में अनेक ऐसे भाई हैं जिनकी कोई बहन नहीं है और उनकी कलाई रक्षाबंधन पर्व पर सूनी रहती है। जिनके हाथों में हजारों राखी बांधने वाली बहने हैं उनके सौभाग्य का तो कहना ही क्या है। इससे बेहतर सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे व अनेकता में एकता की इससे

सीएम आवास पर दिखी भाईचारे की अद्भुत तस्वीर

बेहतरीन तस्वीर भला और क्या हो सकती है? जो आज सीएम आवास पर दिखाई दी। इस कार्यक्रम में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स भी मौजूद थे। इसलिए यह समझना भी आसान था कि यह कार्यक्रम उन्होंने ही आयोजित या प्रायोजित किया था। खैर कुछ भी सही इस कार्यक्रम में सीएम धामी भी एकता व भाईचारे की मिसाल पेश करने में कामयाब रहे और शादाब शम्स भी अपने सामाजिक रसुको पर अपनी मजबूत पकड़ की मिसाल पेश करने में सफल सिद्ध हुए।

उधर एक कार्यक्रम आज सुबह सीमावर्ती सुदूर गांव में भी आयोजित किया गया जिसमें स्थानीय महिलाओं ने सीमा के प्रहरी हिमवीरों को राखी बांध कर रक्षाबंधन पर मनाया और इन वीर बहादुर भाइयों ने उन्हें रक्षा का वचन दिया।

डीआईटी में यूथ रेडक्रास ने छात्र- छात्राओं को दी मोटिवेशनल स्पीच

संवाददाता

देहरादून। यूथ रेडक्रास कमेटी ने डीआईटी पहुंच छात्र-छात्राओं को मोटिवेशनल स्पीच के साथ ही आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण भी दिया।

आज यहां उत्तराखंड की प्रतिष्ठित मसूरी रोड स्थित डी आई टी यूनिवर्सिटी देहरादून के प्रो. वाईस चांसलर प्रोफेसर प्रियांशु पात्रा के निमंत्रण पर यूथ रेडक्रास कमेटी के चेयरमैन अनिल वर्मा तथा स्टेट डिजास्टर रिस्पांस टीम की सदस्या मेजर प्रेमलता वर्मा को यूनिवर्सिटी के दीक्षारम्भ कार्यक्रम-2023 के तहत नवागंतुक छात्र - छात्राओं को भारत के जिम्मेदार नागरिक के रूप ढालने हेतु प्रेरणादायक वक्तव्य तथा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यूनिवर्सिटी के चीफ प्रॉक्टर डॉ. नवीन सिंघल द्वारा अनिल वर्मा तथा मेजर प्रेमलता वर्मा को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु शील्ड भेंटकर सम्मानित किया गया। अनिल वर्मा ने विश्वविद्यालय के नवागंतुक युवा छात्र- छात्राओं को जीवन में नैतिक मूल्यों, मानवीय मूल्यों तथा श्रेष्ठ नागरिक के कर्तव्यों को अपनाने हेतु प्रेरित किया। इनमें वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए माता-पिता के प्रति प्रत्येक व्यक्ति के दायित्वों का बोध कराया, साथ ही दूसरों के दु:ख दर्द महसूस करने व उन्हें दूर करने का प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। नशामुक्ति अभियान के तहत् स्वस्थ जीवन-सुखी जीवन का आधार पर विशेष प्रकाश डालते हुए फास्ट फूड तथा कार्बोनेटेड ड्रिंक्स के अति उपयोग से दूर रहने व घरेलू पौष्टिक भोजन करने तथा व्यसन मुक्त जीवन अपनाने के सूत्र बताये।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. राकेश मोहन, एन सी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट (डॉ०) जबरिंदर सिंह, लेफ्टिनेंट (डॉ.) ब्रजलता तथा सैकड़ों छात्र- छात्राएं उपस्थित थे।

जमीन के नाम पर ठगे साढे बारह लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर साढे बारह लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नई बस्ती क्लेमनटाउन निवासी श्रीमती विजय लक्ष्मी धुत्तरवाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उससे लाल सिंह पुत्र खड़क सिंह निवासी-हरभजवाला, आरकेडिया ग्रान्ट रोड, देहरादून ने सम्पर्क किया तथा इस प्रकार का कथन किया गया कि वह भूमि आरकेडिया ग्रान्ट, परगना पछवादून, जिला देहरादून का स्वामी है तथा वह उक्त भूमि को विक्रय कर रहा है व उसको भूमि दिखायी। उसको भूमि पसंद आ गयी एवं पक्षकारों के मध्य कुल सौदा सदर नयमानुसार कार्यवाह 25 लाख 25 हजार रुपये में तय हुआ। तत्समय लाल सिंह द्वारा यह कथन किया गया. था कि सम्पत्ति पूर्णत: पाक व साफ है तथा वह निर्विवाद रूप से उक्त सम्पत्ति का मालिक है। पक्षकारों के मध्य उक्त बावत एक लिखित भी 12 सितम्बर 2014 को निष्पादित हुई व तत्समय लाल सिंह द्वारा उससे 5 लाख रुपये बतौर बयाना राशि प्राप्त की गयी। यह कि इसके उपरांत उसने निरंतर लाल सिंह को उक्त भूमि का विक्रय पत्र अंकित व निष्पादित करने हेतु कहती रही, परंतु लाल सिंह यही कहता रहा कि वाद निपटने ही वाला है और यह भी कहता रहा कि जमीन तो आपकी ही है।

इस प्रकार भूमि के विक्रय मूल्य के एवज लाल सिंह लगभग 12 लाख 50 हजार रुपये प्राप्त कर चुका है। यह कि उसके बार-बार आग्रह करने पर भी लाल सिंह द्वारा उसके पक्ष में विक्रय पत्र अंकित व निष्पादित नहीं किया और बार-बार टालता रहा। उसके द्वारा जानकारी जुटाई गयी तो ज्ञात हुआ कि लाल सिंह ने सरकारी भूमि जो सरकार में निहित है, उसको विक्रय करने का भी सौदा व विक्रय मूल्य उसके साथ धोखाध ड़ी कर प्राप्त किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

अब स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, 'हिंदू नाम का कोई धर्म ही नहीं, यह केवल धोखा है'

नई दिल्ली। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बिगड़े बोल सामने आए हैं। उन्होंने सोमवार को हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदू नाम का कोई धर्म ही नहीं है। यह एक धोखा है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणवाद की जड़े बहुत गहरी है और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं, हिंदू धर्म केवल धोखा है। ब्राह्मणवाद की जड़े बहुत गहरी है और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं, हिंदू धर्म केवल धोखा है। सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कहकर के इस देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कहकर इस देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है। अगर हिंदू धर्म होता तो आदिवासियों का भी सम्मान होता है, दलितों का भी सम्मान होता, पिछड़ों का भी सम्मान होता। लेकिन यह विडंबना है कि हिंदू धर्म केवल धोखा है।

मोमोज ने करा दिया मर्डर

लखनऊ। यूपी के कानपुर से हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने हुई है। ठेले (स्टॉल) पर मोमोज खाने पहुंचे मामा-भांजे की वहां खड़े दबंगों से बहस हो गई। इसके बाद दबंगों ने दोनों की जमकर पिटाई की। इसमें एक की मौत हो गई। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। कानपुर के हनुमान बिहार निवासी रामू नाम का एक शख्स अपने मामा के साथ मोमोज खाने गया था। इस दौरान वहां पहले से खड़े क्षेत्र के दबंग भूंजा और चावले से किसी बात पर उसकी बहस हो गई। इस पर भूंजा ने अपने दो-तीन साथी और बुला लिए। इसके बाद उसको पीटने लगा. बचाने आए उसके मामा को भी जमकर पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रामू को अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि उसके मामा की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने पवन की डेडबॉडी रोड पर रखकर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने काफी समझा-बुझाकर सभी को शांत कराया. इसके बाद परिजनों की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इस मामले में डीसीपी वेस्ट रवींद्र कुमार का कहना है कि मोमोज खाने को लेकर विवाद हुआ था। इसमें हत्या की ये वारदात हुई है. जिसके आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्रियन सेन ने जीता मिस अर्थ इंडिया 2023 का खिताब

नई दिल्ली। सीकर की रहने वाली प्रियन ने मिस अर्थ इंडिया 2023 का खिताब अपने नाम किया है। यह खिताब जीतने वाली राजस्थान की पहली लड़की है। इस इवेंट का आयोजन डिवाइन ब्यूटी के दीपक अग्रवाल द्वारा दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुआ। हाल ही में 'मिस राजस्थान 2022' कॉम्पिटिशन में हाई हील पर रैंप वॉक करते हुए गर्ल्स ने अपने जलवे बिखेरे थे। उनमें से एक थी, सीकर की प्रियन सेन। 28 फाइनलिस्ट को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने फर्स्ट रनरअप का खिताब जीता था। दरअसल, इस उपलब्धि के बाद प्रियन अब दिसंबर में वियतनाम में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट में मिस अर्थ के तौर पर भारत को रिप्रेजेंट करेंगी। प्रियन ने टॉप 16 फाइनलिस्ट के बीच में यह खिताब जीता है। प्रियन के मेंटोर योगेश मिश्रा व निमिषा मिश्रा ने बताया कि इससे पहले प्रियन मिस राजस्थान 2022 की फर्स्ट रनर अप रह चुकी है। फिलहाल वह मिस इंडिया की भी तैयारी कर रही है। साथ ही अपनी डॉक्टरी की पढ़ाई गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोटा से कर रही है। जब भी प्रियन को मौका मिलता है। वह जयपुर आकर इवेंट्स में पार्टिसिपेट करती है। बता दें कि डिवाइन ब्यूटी मिस इंटरनेशनल इंडिया, मिस अर्थ इंडिया का आयोजन करवाता है। जिससे इंडिया की गर्ल्स इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर जाकर इंडिया को रिप्रेजेंट करती हैं। मिस अर्थ इवेंट का आयोजन दिसंबर में वियतनाम में किया जाएगा, जिसमें प्रियन सेन मिस अर्थ इंडिया 2023 के रूप में इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी। मेंटोर मैटर योगेश मिश्रा ने बताया कि प्रियन सीकर की रहने वाली है। प्रियन की मां सरकारी टीचर हैं।

तेज रफ्तार स्कार्पियों दो को टक्कर मार पलटी, 1 की मौत 5 घायल

संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटना में देर रात एक तेज रफ्तार स्कार्पियों दो को टक्कर मार कर पलट गयी जिससे एक की मौत हो गयी जबकि पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां युवती की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

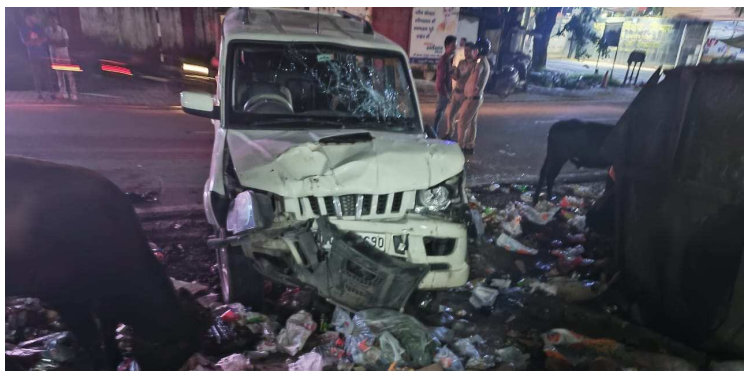

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गत रात्रि पौने बारह बजे के लगभग वाहन स्कॉर्पियो नंबर-यूके 07 एके-1690 जिसमें चार व्यक्ति सवार थे। चालक द्वारा तेजी व लापरवाही से वाहन चलाकर सर्वे गेट के पास निकट हाथी बड़कला में एक पैदल चलती लड़की व उसके सहपाठी को टक्कर मार दी। गाड़ी मौके पर कूड़े के डब्बे का टकराकर पलट गई जिसमें स्कार्पियो चालक सहित अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। वहीं मौके पर पैदल चलती लड़की और उसके सहपाठी भी घायल हुए है। लड़की अचेत अवस्था में है जिसे दून अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद परिजनों द्वारा मैक्स अस्पताल ले जाया गया है एवं लड़की के सहपाठी आकाश को उसके पिता अपने साथ किसी प्राइवेट अस्पताल में ले गए है। पुलिस ने स्कार्पियो सवार चारों व्यक्तियों को कोरोनेशन चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों द्वारा एक को मृत घोषित कर दिया गया जबकि चालक की गम्भीर हालत को देखते हुए उसे दून अस्पताल रेफर कर दिया गया है। गाड़ी को कोतवाली पर दाखिल किया गया है। घायलों की पहचान हर्ष गुप्ता पुत्र परमहंस गुप्ता निवासी हाउस नंबर 110 एमडीडीए कॉलोनी चंद्र रोड डालनवाला, चालक अनुराग यादव पुत्र निवासी चूना भट्टा यादव ट्रेडर्स रायपुर देहरादून, अक्षय सिंह पुत्र बालक राम निवासी चंद्र रोड डालनवाला देहरादून, रोशनी बक्शी पुत्री कर्नल बक्शी, आकाश रोशनी का पडोसी व मृतक अभिषेक राजपूत पुत्र राकेश बाबू निवासी एमडीडीए कॉलोनी डालनवाला देहरादून के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार स्कार्पियो को कब्जे में ले लिया गया है।

बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही यूटीलिटी खाई में गिरी

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही यूटीलिटी खाई में गिरने से मौके पर अफरा तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जिनमें से कुछ बच्चे घायल हुए है, जिनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह राजगढी के पास लगभग 15 बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक यूटीलिटी पलटने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही 108 आपातकालीन सेवा तथा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इससे पहले वाहन के खाई में गिरते ही चीख-पुकार मच गई।

आवाज सुनते ही ग्रामीण बच्चों को बचाने के लिए दौड़े और उन्हे पुलिस की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि बड़ा हादसे होने से टल गया। कुछ बच्चों को चोटें आई है। जिनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

स्कूल जा रहे सभी बच्चे बनाल पट्टी के थानकी और भानी गांव के हैं। हादसे के बाद से बच्चे डरे हुए हैं।

यूपी पुलिस का बर्खास्त दरोगा बाइक चोरी के आरोप में गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। यूपी पुलिस का बर्खास्त दरोगा को हरिद्वार जीआरपी पुलिस ने बाइक चोरी के आरोप में मुरादाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दारोगा की निशानदेही पर पुलिस ने चुरायी गयी बाइक भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सुभाष नगर, ज्वालापुर, हरिद्वार निवासी एक व्यक्ति ने हरिद्वार जीआरपी थाने में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी बाइक जो मध्य रेलवे स्टेशन हरिद्वार में खड़ी कर रखी थी उसे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। बाइक चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा जब सीसी कैमरे खंगाले गये तो बाइक चुराने वाले व्यक्ति का पुलिस ने फोटो प्राप्त कर लिया। जिसके बाद उसे एक सूचना के तहत बीती शाम रेलवे स्टेशन मुरादाबाद यू.पी. से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने चुरायी गयी बाइक भी बरामद कर ली है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सचिन दयाल पुत्र स्व. दीन दयाल निवासी सुभाष नगर थाना कोतवाली सिविल लाईन, मेरठ जिला मेरठ बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी सचिन दयाल यूपी पुलिस का बर्खास्त दरोगा है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।